বুলুগুল মারাম

হাদিস নাম্বারঃ ৫১৭

পর্ব - ২ঃ সালাত (كتاب الصلاة)

পরিচ্ছেদঃ ১৬. সালাতুল ইসতিসকা বা বৃষ্টির জন্য সালাত - জুমু’আর খুতবায় বৃষ্টি প্রার্থনার বিধান

আরবী

وَعَنْ أَنَسٍ ـ رضي الله عنه: أَنَّ رَجُلًا دَخَلَ الْمَسْجِدَ يَوْمَ الْجُمُعَةِ, وَالنَّبِيُّ ـ صلى الله عليه وسلم ـ قَائِمٌ يَخْطُبُ. فَقَالَ: يَا رَسُولَ اللَّهِ, هَلَكَتِ الْأَمْوَالُ, وَانْقَطَعَتِ السُّبُلُ, فَادْعُ اللَّهَ [عَزَّ وَجَلَّ] يُغِيثُنَا, فَرَفَعَ يَدَيْهِ, ثُمَّ قَالَ: «اللَّهُمَّ أَغِثْنَا, اللَّهُمَّ أَغِثْنَا ... ». فَذَكَرَ الْحَدِيثَ، وَفِيهِ الدُّعَاءُ بِإِمْسَاكِهَا مُتَّفَقٌ عَلَيْهِ

صحيح. رواه البخاري (1014)، ومسلم (897)، وتمامه: «اللهم أغثنا. قال أنس: ولا والله ما نرى في السماء من سحاب ولا قزعة، وما بيننا وبين سلع من بيت ولا دار. قال: فطلعت من روائه سحابة مثل الترس، فلما توسطت السماء انتشرت، ثم أمطرت، فلا والله ما رأينا الشمس ستا، ثم دخل رجل من ذلك الباب في الجمعة ـ ورسول الله صلى الله عليه وسلم قائم يخطب ـ فاستقبله قائما، فقال: يا رسول الله! هلكت الأموال، وانقطعت السبل، فادع الله يمسكها عنا. قال: فرفع رسول الله صلى الله عليه وسلم يديه ثم قال: اللهم حوالينا ولا علينا، اللهم على الآكام والظراب وبطون الأودية ومنابت الشجر. قال: فأقلعت. وخرجنا نمشي في الشمس

বাংলা

৫১৭. আনাস ইবনু মালিক (রাঃ) হতে বর্ণিত। এক ব্যক্তি জুমু’আহ’র দিন মসজিদে প্রবেশ করল। এ সময় আল্লাহর নবী সাল্লাল্লাহু আলাইহি ওয়াসাল্লাম দাঁড়িয়ে খুতবা দিচ্ছিলেন। লোকটি বলল, হে আল্লাহর রসূল! ধন-সম্পদ নষ্ট হয়ে গেল এবং রাস্তাঘাট বন্ধ হয়ে গেল। আপনি আল্লাহর নিকট দু’আ করুন যেন তিনি আমাদের বৃষ্টি

দান করেন। তখন আল্লাহর রসূল সাল্লাল্লাহু আলাইহি ওয়াসাল্লাম দু’ হাত তুলে দু’আ করলেন, হে আল্লাহ! আমাদের বৃষ্টি দান করুন। হে আল্লাহু! আমাদের বৃষ্টি দান করুন। (তারপর রাবী হাদীসের বাকী অংশ উল্লেখ করেছেন) তাতে বৃষ্টি বন্ধ করার দু’আও উল্লেখ আছে।[1]

ফুটনোট

[1] বুখারী ৯৩২, ৯৩৩, ১০১৩, ১০১৪, মুসলিম ৮৯৫, ৮৯৭, ১৯৫৫

হাদিসের মান: সহিহ (Sahih) পুনঃনিরীক্ষিত

পাবলিশারঃ তাওহীদ পাবলিকেশন বর্ণনাকারীঃ আনাস ইবনু মালিক (রাঃ)

Link — https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=70328

হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন